न्यू-पैटर्न पर आधारित

मॉडल प्रश्न-पत्र 1

समय : 3 घण्टे 15 मिनट

साहित्यिक हिन्दी (कक्षा-12) (केवल प्रश्न-पत्र)

पूर्णांक : 100

निर्देश: पूर्ववत्

खण्ड (क)

प्रश्न 1. (क) हिन्दी का प्रथम उपन्यास कौन-सा है? 1

(i) भाग्यवती (ii) कंकाल
(iii) परीक्षा गुरु (iv) पुनर्नवा

(ख) निम्नलिखित में से 'जीवनी' रचना है– 1

(i) बसेरे से दूर (ii) अनामदास का पोथा
(iii) कलम का सिपाही (iv) कंकाल

(ग) 'पथ के साथी' किस विधा की रचना है? 1

(i) रेखाचित्र (ii) संस्मरण
(iii) नाटक (iv) उपन्यास

(घ) 'चिन्तामणि' के रचनाकार हैं– 1

(i) श्याम सुन्दर दास
(ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(iii) प्रेमचन्द
(iv) गुलाब राय

(ङ) 'अपनी खबर' किस विधा की रचना है – 1

(i) जीवनी (ii) निबन्ध
(iii) नाटक (iv) आत्मकथा

प्रश्न 2. (क) 'लोकायतन' कृति के रचनाकार हैं– 1

(i) निराला (ii) महादेवी वर्मा
(iii) रामधारी सिंह दिनकर (iv) सुमित्रानन्दन पन्त

(ख) 'शृंगार-लहरी' ग्रन्थ के रचयिता हैं – 1

(i) बिहारी (ii) केशवदास
(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (iv) जगन्नाथ दास रत्नाकर

(ग) 'साकेत' के रचनाकार हैं– 1

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) कवि दिनकर
(iii) मैथिलीशरण गुप्त (iv) सुमित्रानन्दन पन्त

(घ) प्रयोगवादी कवि हैं– 1

(i) महादेवी वर्मा (ii) सुमित्रानन्दन पन्त
(iii) कवि निराला (iv) गिरिजा कुमार माथुर

(ङ) द्विवेदी युग की रचना नहीं है– 1

(i) प्रिय प्रवास (ii) वैदेही बनवास
(iii) यशोधरा (iv) पल्लव

प्रश्न 3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2×5=10

मुझे मानव-जाति की दुर्दम-निर्मम धारा के हजारों वर्ष का रूप साफ दिखायी दे रहा है। मनुष्य की जीवनी-शक्ति बड़ी निर्मम है, वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा मोहों को रौंदती चली आ रही है। न जाने कितने धर्माचारों, विश्वासों, उत्सवों और व्रतों को धोती-बहाती यह जीवन-धारा आगे बढ़ी है। संघर्षों से मनुष्य ने नयी शक्ति पायी है। हमारे सामने समाज का जो रूप है, वह न जाने कितने ग्रहण और त्याग का रूप है। देश और जाति की विशुद्ध संस्कृति केवल बाद की बात है। सब कुछ में मिलावट है, सब कुछ अविशुद्ध है। शुद्ध है केवल मनुष्य की दुर्दम जिजीविषा (जीने की इच्छा)। वह गंगा की अबाधित-अनाहत धारा के समान सब कुछ को हजम करने के बाद भी पवित्र है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) मनुष्य की जीवनी शक्ति कैसी है?
(iv) लेखक ने गद्यांश में किसका वर्णन किया है?
(v) शुद्ध केवल क्या है?

अथवा जन का प्रवाह अनंत होता है। सहस्त्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है। जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं, तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है। इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र-निवासी जन नई उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं। जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है।

(i) राष्ट्रीय जन का जीवन कब तक अमर है?
(ii) जन-जीवन के प्रवाह को नदी की तरह क्यों कहा गया है?
(iii) 'तादात्म्य' और 'अजर' का शब्दार्थ क्या है?
(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(v) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।

प्रश्न 4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2×5=10

नील परिधान बीच सुकुमार
खुल रहा मृदुल अधखुला अंग,
खिला हो ज्यों बिजली का फूल,
मेघ-बन बीच गुलाबी रंग।

ओह! वह मुख! पश्चिम के व्योम
बीच जब घिरते हों घन श्याम,
अरुण रवि मंडल उनको भेद
दिखाई देता हो छवि धाम।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) उपर्युक्त पद्यांश में किसका चित्रण किया गया है?
(iv) श्रद्धा का मुख और केश कैसे शोभायमान हो रहे हैं?
(v) उपर्युक्त पद्यांश में कौन-सा रस है?

अथवा तू देखेगी जलद-तन को जा वहीं तदगता हो।
होंगे लोने नयन उनके ज्योति-उत्कीर्ण कारी।।
मुद्रा होगी वर वदन की मूर्ति-सी सौम्यता की।
सीधे-सीधे वचन उनके सिक्त होंगे सुधा से।।

नीले फूले कमल दल-सी गात की श्यामता है।
पीला प्यारा वसन कटि में पैन्हते हैं फबीला।।
छूटी काली अलक मुख की कान्ति को है बढ़ाती।
सद्वस्त्रों में नवल तन की फूटती-सी प्रभा है।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) पद्यांश में राधाजी ने 'तद्गता' किसे कहा है?
(iv) श्री कृष्ण के नेत्रों की आकृति कैसी होगी?
(v) श्रीकृष्ण के शरीर की श्यामलता कैसी है?

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय एवं कृतित्व का उल्लेख (80 शब्दों में) कीजिए- 3+2=5

(i) वासुदेव शरण अग्रवाल
(ii) पं० दीन दयाल उपाध्याय
(iii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय एवं रचनाओं का उल्लेख (80 शब्दों में) कीजिए- 3+2=5

(i) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
(ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

प्रश्न 6. 'कर्मनाशा की हार' अथवा 'पंचलाइट' कहानी की समीक्षा (80 शब्दों में) कीजिए। 5

अथवा 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी के प्रमुख पात्र का चारित्र चित्रण कीजिए।

प्रश्न 7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखत प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर (80 शब्दों में) दीजिए। 5

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अन्तिम सर्ग की कथावस्तु लिखिए।
अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक लिखिए।
अथवा सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'युधिष्ठिर' का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ग) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए।
अथवा 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(घ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए।
अथवा 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
अथवा 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवण कुमार का चरित्र चित्रण कीजिए।

(च) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्धन' का चरित्र-चित्रण कीजिए।
अथवा त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए।

खण्ड (ख)

प्रश्न 8. (क) निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए। 2+5=7

ततः कदाचिद् द्वारपालः आगत्य महाराजं भोजं प्राह 'देव कौपीनावशेषो विद्वान् द्वारि वर्तते' इति। राजा 'प्रवेशय' इति प्राह। ततः प्रविष्ठः सः कविः भोजमालोक्य अद्य में दारिद्र्यनाशों भविष्यतीति मत्वा तुष्टो हर्षाश्रूणि मुमोच। राजा तमालोक्य प्राह-'कवे किं रोदिषि'? इति। ततः कविराह-राजन्। आकर्णय मद्गृहस्थितिम्।

अथवा याज्ञवल्क्य उवाच- न वा अरे मैत्रेयि! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति। आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति। न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रों वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्त वा प्रियं भवति। न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए। 2+5=7

अत्यन्त-सुख-सञ्चारा मध्याहने स्पर्शतः सुखाः।
दिवसाः सुभगादित्याः छायासलिलदुर्भगा।।

अथवा अभूत प्राची पिङ्गा रसपतिरिव प्राप्य कनकं
गतच्छायश्चन्द्रो बुधजनइव ग्राम्यसदसि।
क्षणं क्षीणास्तारा नृपतय इवानुद्यमपराः
न दीपा राजन्ते द्रविणरहितानामिव गुणाः।।

प्रश्न 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए- 2+2=4

(i) भोजः कविं किम् अपृच्छत्?
(ii) कस्य दर्शनेन सर्वं विदितं भवति?
(iii) कः कालः प्रचुरमन्मथः भवति।
(iv) कीदृशं मित्रं वर्जयेत्?

प्रश्न 10. (क) 'वीर' अथवा 'अद्भुत' रस का स्थायी भाव और उदाहरण या परिभाषा लिखिए। 1+1=2

(ख) 'श्लेष' अथवा 'सन्देह' अलंकार की परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए। 2

(ग) 'कुण्डलिया' अथवा 'हरिगीतिका' छन्द का मात्रा सहित उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए। 1+1=2

प्रश्न 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए – 2+7=9

(i) पर्यावरण स्वच्छता हमारा कर्त्तव्य
(ii) मेरा प्रिय कवि
(iii) विज्ञान वरदान या अभिशाप
(iv) जीवन में श्रम का महत्त्व
(v) भारतीय कृषि का पिछड़ापन एवं सुधार

प्रश्न 12. (क) सन्धि विच्छेद–

(अ) 'नाविक' का सन्धि-विच्छेद है– 1

(i) ना + विक (ii) नो + इक
(iii) नौ + इक (iv) नाव + इक

(ब) 'पेस् + ता' की सन्धि है– 1

(i) पेस्ता (ii) पेष्ता
(iii) पेष्टा (iv) पेश्ता

(स) 'तत् + टीका' की सन्धि है– 1

(i) तद्टीका (ii) तट्टीका
(iii) तत्टीका (iv) तष्टीका

(ख) समास कीजिए–

(अ) 'घनश्याम' में समास है– 1

(i) तत्पुरुष समास (ii) द्वन्द्व समास
(iii) कर्मधारय समास (iv) द्विगु समास

(ब) 'चतुरानन' में समास है– 1

(i) बहुव्रीहि समास (ii) कर्मधारय समास
(iii) द्विगु समास (iv) तत्पुरुष समास

प्रश्न 13. (क) 'पठतम्' अथवा 'नयतम्' रूप किस धातु के किस लकार, किस पुरुष तथा किस वचन का रूप है ½+½+½+½=2

(ख) शब्द रूप कीजिए–

(अ) 'नाम्ने' रूप है नाम शब्द का– 1

(i) सप्तमी विभक्ति, एकवचन
(ii) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
(iii) पंचमी विभक्ति, एकवचन
(iv) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

(ब) 'रामस्य' रूप है, 'राम' शब्द का– 1

(i) षष्ठी विभक्ति, एकवचन
(ii) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
(iii) पंचमी विभक्ति, बहुवचन
(iv) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(ग) प्रत्यय कीजिए–

(अ) 'पठितव्यम्' शब्द में प्रत्यय है– 1

(i) तव्यत् प्रत्यय (ii) अनीयर प्रत्यय
(iii) क्त प्रत्यय (iv) क्त्वा प्रत्यय

(ब) 'दानीयम्' शब्द में प्रत्यय है– 1

(i) क्त प्रत्यय (ii) क्त्वा प्रत्यय
(iii) अनीयर प्रत्यय (iv) तव्यत् प्रत्यय

(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए– 1+1=2

(i) माता पुत्रेण सह गच्छति।
(ii) पितृभ्यः स्वधा।
(iii) पृष्ठेन कुब्जा।

प्रश्न 14. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– 2+2=4

(i) विद्यालय के चारों ओर वृक्ष हैं।
(ii) राम का भाई लक्ष्मण है।
(iii) छात्रों में मोहन श्रेष्ठ है।
(iv) माता पुत्र को लड्डू देती है।

न्यू-पैटर्न पर आधारित

मॉडल प्रश्न-पत्र 2

समय : 3 घण्टे 15 मिनट — **साहित्यिक हिन्दी (कक्षा-12) (केवल प्रश्न-पत्र)** — **पूर्णांक : 100**

निर्देश: पूर्ववत्

खण्ड (क)

प्रश्न 1. (क) 'आधुनिक हिन्दी साहित्य' का जनक समझा जाता है– 1

(i) राजा शिवप्रसाद सितारे हिन्द
(ii) प्रताप नारायण मिश्र
(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(iv) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ख) 'सरस्वती' पत्रिका का प्रकाशन वर्ष है– 1

(i) 1936 ई० (ii) 1900 ई०
(iii) 1880 ई० (iv) 1890 ई०

(ग) 'पथ के साथी' के रचयिता हैं– 1

(i) श्याम सुन्दर दास
(ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(iii) महादेवी वर्मा
(iv) जयशंकर प्रसाद

(घ) धर्मवीर भारती द्वारा रचित उपन्यास है– 1

(i) परख (ii) गुनाहों का देवता
(iii) त्याग पत्र (iv) कल्याणी

(ङ) 'भाग्य और पुरुषार्थ' की गद्य विधा है – 1

(i) आत्मकथा (ii) उपन्यास
(iii) निबन्ध (iv) संस्मरण

प्रश्न 2. (क) किस कवि को राष्ट्र कवि का सम्मान मिला है– 1

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
(iii) मैथिली शरण गुप्त
(iv) माखन लाल चतुर्वेदी

(ख) भक्तिकाल की रचना है – 1

(i) साकेत (ii) द्वापर
(iii) विनय-पत्रिका (iv) राम चन्द्रिका

(ग) 'कामायनी' महाकाव्य के रचयिता हैं– 1

(i) सुमित्रा नन्दन पन्त
(ii) महादेवी वर्मा
(iii) जयशंकर प्रसाद
(iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(घ) रामधारी सिंह 'दिनकर' किस काव्य धारा के कवि हैं? 1

(i) छायावाद (ii) प्रगतिवाद
(iii) शुक्लयुग (iv) राष्ट्रीय काव्य

(ङ) 'पृथ्वीराज रासो' रचना है– 1

(i) नरपति नाल्ह की (ii) चन्दबरदायी की
(iii) रामप्रसाद निरजंनी की (iv) जगनिक की

प्रश्न 3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2×5=10

भाषा की साधारण इकाई शब्द है, शब्द के अभाव में भाषा का अस्तित्व ही दुरूह है। यदि भाषा में विकसन शीलता शुरू होती है तो शब्दों के स्तर पर ही। दैनंदिन सामाजिक व्यवहारों में हम कई ऐसे नवीन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, जो अंग्रेजी, अरबी, फारसी आदि विदेशी भाषाओं से उधार लिये गये हैं। वैसे ही नये शब्दों का गठन भी अनजाने में अनायास ही होता है। ये शब्द अर्थात् उन विदेशी भाषाओं से सीधे अविकृत ढंग से उधार लिये गये शब्द, भले ही कामचलाऊ माध्यम से प्रयुक्त हो, साहित्यिक दायरे में कदापि ग्रहणीय नहीं। यदि ग्रहण करना पड़े तो उन्हें भाषा की मूल प्रकृति के अनुरूप साहित्यिक शुद्धता प्रदान करनी पड़ती है। यहाँ प्रयत्न की आवश्यकता प्रतीत होती है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) भाषा की साधारण इकाई क्या है?
(iv) भाषा का अस्तित्व किसके बिना दुरूह है?
(v) भाषा में शुद्धता कैसे प्रदान की जा सकती है?

अथवा हम पिस जाते। अच्छा ही हुआ जो वह बदल गई। पूरी कहाँ बदली हैं? पर बदल तो रही है। अशोक का फूल तो उसी मस्ती में हँस रहा है। पुराने चित्त से इसको देखने वाला उदास होता है। वह अपने को पण्डित समझता है, पण्डिताई भी एक बोझ है– जितनी भी भारी होती है, उतनी ही तेजी से डुबोती है। जब वह जीवन का अंग बन जाती है तो सहज हो जाती है। तब वह बोझ नहीं रहती। वह उस अवस्था में उदास भी नहीं करती। कहाँ, अशोक का कुछ भी तो नहीं बिगड़ा है। कितनी मस्ती में झूम रहा है। कालिदास इसका रस ले सके थे-अपने ढंग से। मैं भी ले सकता हूँ अपने ढंग से। उदास होना बेकार है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक किसकी प्रवृत्ति परिवर्तित करने की बात कहते हैं?
(iv) कवि कालिदास किसका रस या आनन्द प्राप्त कर चुके हैं?
(v) कौन-सी प्रवृत्ति तेजी से डुबोती है?

प्रश्न 4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2×5=10

तरनि-तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाये।
झुके कूल सों जल परसन हित मनहुँ सुहाये।।
किधौं मुकुर मैं लखत उझकि सब निज-निज सोभा।
कै प्रनवत जल जानि परम पावन फल लोभा।
मनु आतप वारन तीर कौ सिमिटि सबै छाये रहत।
कै हरि सेवा हित नै रहे निरखि नैन मन सुख लहत।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) जलरूपी दर्पण में अपनी शोभा देखने के लिए उचक-उचककर कौन आगे झुक गए हैं?
(iv) कवि के अनुसार किन्हें देखकर नेत्रों को मन को सुख प्राप्त होता है?
(v) उपर्युक्त पंक्तियाँ किन अलंकारों से सुशोभित हैं?
(vi) यमुना-तट वृक्ष किस रूप में सुशोभित हैं?
(vii) वृक्ष जल के दर्पण में क्या देख रहे हैं?

अथवा सावधान मनुष्य ! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तजकर मोह, स्मृति के पार।
हो चुका है सिद्ध , है तू शिशु अभी अज्ञान,
फूल काँटो की तुझे कुछ भी नहीं पहचान
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) कवि किसे और क्यों सावधान करता है?
(iv) मनुष्य के लिए विज्ञान क्या है?
(v) पद्यांश में 'अज्ञान शिशु' कौन है?

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय एवं महत्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख(80 शब्दों में) कीजिए– 3+2=5

(i) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम
(ii) वासुदेव शरण अग्रवाल
(iii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक-परिचय एवं प्रमुख कृतियों का उल्लेख (80 शब्दों में) कीजिए– 3+2=5

(i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(ii) जय शंकर प्रसाद

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

प्रश्न 6. 'कर्मनाशा की हार' अथवा 'पंचलाइट' कहानी की समीक्षा कहानी-कला के तत्वों के आधार पर (80 शब्दों में) कीजिए– 5

अथवा 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी के प्रमुख पात्र का चारित्र-चित्रण कीजिए।

प्रश्न 7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित खण्डों में से किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर (80 शब्दो में) दीजिए। 5

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य में वर्णित राजनैतिक घटनाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथा-वस्तु (कथानक) लिखिए।

अथवा 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर प्रधान नारी पात्र कुन्ती का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु (कथानक) सक्षेप में लिखिए।

(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु (कथानक) संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(च) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

अथवा 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवण कुमार का चरित्रांकन कीजिए।

खण्ड (ख)

प्रश्न 8. (क) निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए। 2+5=7

महापुरुषा: लौकिक-प्रलोभनेषु बद्धा: नियतलक्ष्यान्न कदापि भ्रश्यन्ति। देशसेवानुरक्तोऽयं युवा उच्चन्यायालस्य परिधौ स्थातुं नाशक्नोत्। पण्डितमोतीलाल नेहरू लाला लाजपतराय प्रभृतिभि: अन्यै: राष्ट्र नायकै: सह सोऽपि देशस्य स्वतन्त्रता संग्रामेऽवतीर्ण:। देहल्यां त्रयोविंशतितमे कांग्रेसस्याधिवेशनेऽयम् अध्यक्षपदमलङ्कृतवान्। 'रोलट एक्ट' इत्याख्यस्य विरोधेऽस्य ओजस्विभाषणं श्रुत्वा आङ्ग्लशासका: भीता: जाता:। बहुवारं कारागारे-निक्षिप्तोऽपि अयं वीर: देशसेवा व्रतं नात्यजत्।

अथवा संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भाव बोध सामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च् वर्तते। किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणा संस्कृत वाङ्मयं ददाति न तादृशीम् किञ्चिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी। दया, दानं, शौचम्, औदार्यम्, अनसूपा, क्षमा, अन्ये चानेके गुणा: अस्य साहित्यस्य अनुशीलेन् सञ्जायन्ते।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए। 2+5=7

मत्तागजेन्द्रा: मुदिता गवेन्द्रा: वनेषु विक्रान्ततरा मृगेन्द्रा:।
रम्या नगेन्द्रा: निभृता नरेन्द्रा: प्रक्रीडितो वारि धरै: सुरेन्द्र:।।

अथवा न चौरहार्यं न च राजहार्यं
न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्द्धत एवं नित्यं
विद्याधनं सर्वधन प्रधानम्।।

प्रश्न 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए– 2+2=4

(i) संस्कृत साहित्यस्य आदिकवि: क: आसीत्?

(ii) बसन्तकाले वृक्षा: कीदृशा: भवन्ति?

(iii) धीमतां काल: कथं गच्छति?

(iv) मूलशङ्करस्य जन्म कुत्र अभवत्?

प्रश्न 10. (क) 'वीर' अथवा 'करुण' रस का स्थायी भाव और उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए। 1+1=2

(ख) 'यमक' अथवा 'भ्रान्तिमान' अलंकार की परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए। 2

(ग) 'रोला' अथवा 'सोरठा' छन्द की मात्रा सहित उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए 1+1=2

प्रश्न 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए – 2+7=9

(i) राष्ट्रीय एकता

(ii) बेरोजगारी एक अभिशाप

(iii) साहित्य और समाज

(iv) भारत में भ्रष्टाचार

(v) आतंकवाद

प्रश्न 12. (क) सन्धि विच्छेद–

(अ) 'इत्यादि' का सन्धि-विच्छेद है– 1

(i) इत्य + आदि (ii) इति + आदि

(iii) इत्या + दि (iv) इत + यादि

(ब) रामावग्रत: का सन्धि-विच्छेद होगा– 1

(i) रामो + अग्रत: (ii) रामौ + अग्रत:
(iii) राम + अग्रत: (iv) रामे + अग्रत:

(स) 'पौ + अक:' की सन्धि है– 1

(i) पोअक: (ii) पावक:
(iii) पावाक: (iv) पौवाक:

(ख) समास कीजिए–

(अ) 'उपवनम्' पद में समास है– 1

(i) तत्पुरुष समास
(ii) कर्मधारय समास
(iii) अव्ययी भाव समास
(iv) द्विगु समास

(ब) 'महाजन:' पद में समास है– 1

(i) कर्मधारय समास (ii) अव्ययीभाव समास
(iii) तत्पुरुष समास (iv) द्विगु समास

प्रश्न 13. (क) 'अकरोत्' अथवा 'पास्याम:' रूप किस धातु के किस लकार, किस पुरुष तथा किस वचन का रूप है? ½+½+½+½=2

(ख) शब्द रूप कीजिए–

(अ) 'आत्मसु' रूप है, 'आत्मन्' शब्द का– 1

(i) द्वितीया विभक्ति, एकवचन
(ii) सप्तमी विभक्ति, एकवचन
(iii) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन
(iv) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(ब) 'सर्वस्मात्' रूप है, 'सर्व' पुल्लिंग शब्द का– 1

(i) पंचमी विभक्ति, एकवचन
(ii) सप्तमी विभक्ति, एकवचन
(iii) द्वितीया विभक्ति, एकवचन
(iv) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(ग) प्रत्यय कीजिए–

(अ) 'बुद्धिमान' शब्द में प्रत्यय है– 1

(i) मतुप् प्रत्यय (ii) वतुप् प्रत्यय
(iii) क्त प्रत्यय (iv) क्त्वा प्रत्यय

(ब) 'पानीयम्' शब्द में प्रत्यय है– 1

(i) वतुप् प्रत्यय (ii) क्त प्रत्यय
(iii) अनीयर् प्रत्यय (iv) क्त्वा प्रत्यय

(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए– 1+1=2

(i) सुग्रीव: रामस्य सखा आसीत्।
(ii) आचार्यात् अधीते।
(iii) बालकेषु: अरविन्द: श्रेष्ठ:।

प्रश्न 14. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– 2+2=4

(i) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।
(ii) पक्षी आकाश में उड़ते हैं।
(iii) पिता पुत्रों को मिठाई देता है।
(iv) छात्र को विनयशील होना चाहिए।

न्यू-पैटर्न पर आधारित

मॉडल प्रश्न-पत्र 3

समय : 3 घण्टे 15 मिनट

साहित्यिक हिन्दी (कक्षा-12) (केवल प्रश्न-पत्र)

पूर्णांक : 100

निर्देश: पूर्ववत्

खण्ड (क)

प्रश्न 1. (क) आधुनिक काल के प्रथम नाटककार हैं– 1

(i) मोहन राकेश (ii) लक्ष्मी नारायण मिश्र
(iii) जयशंकर प्रसाद (iv) डॉ० राम कुमार वर्मा

(ख) 'ब्राह्मण' पत्रिका प्रकाशित हुई– 1

(i) द्विवेदी युग में (ii) भारतेन्दु युग में
(iii) शुक्ल युग में (iv) शुक्लोत्तर युग में

(ग) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की रचना-विधा है– 1

(i) उपन्यास (ii) कहानी
(iii) निबन्ध-संग्रह (iv) आत्मकथा

(घ) 'नीड का निर्माण फिर' की रचना-विधा है– 1

(i) कहानी (ii) यात्रावृत्तान्त
(iii) उपन्यास (iv) आत्मकथा

(ङ) 'मर्यादा' और 'टुडे' के सम्पादक थे– 1

(i) डॉ० वासुदेव शरण अग्रवाल
(ii) हरिशंकर परसाई
(iii) जैनेन्द्र कुमार
(iv) डॉ० सम्पूर्णानन्द

प्रश्न 2. (क) छायावादी काव्य की वृहतत्रयी में नहीं है– 1

(i) महादेवी वर्मा
(ii) जयशंकर प्रसाद
(iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
(iv) सुमित्रानन्दन पन्त

(ख) 'साकेत' के रचनाकार हैं– 1

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) कवि दिनकर
(iii) मैथिली शरण गुप्त (iv) भगवती चरण वर्मा

(ग) 'अनामिका' के रचयिता हैं– 1

(i) कवि निराला
(ii) कवि सुमित्रानन्दन पन्त
(iii) कवि अज्ञेय
(iv) महादेवी वर्मा

(घ) भक्ति काल की रचना है– 1

(i) साकेत (ii) विनय पत्रिका
(iii) लहर (iv) प्रेममाधुरी

(ङ) 'दीपशिखा' के रचयिता हैं– 1

(i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
(ii) महादेवी वर्मा
(iii) सुभद्रा कुमारी चौहान
(iv) मैथिलीशरण गुप्त

प्रश्न 3. गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2×5=10

मुझे मानव-जाति की दुर्दम-निर्मम धारा के हजारों वर्ष का रूप साफ दिखाई दे रहा है। मनुष्य की जीवनी-शक्ति बड़ी निर्मम है, वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा मोहों को रौंदती चली आ रही है। न जाने कितने धर्माचारों, विश्वासों, उत्सवों और व्रतों को धोती-बहाती यह जीवन-धारा आगे बढ़ी है। संघर्षों से मनुष्य ने नयी शक्ति पायी है। हमारे सामने समाज का आज जो रूप है, वह न जाने कितने ग्रहण और त्याग का रूप है। देश और जाति की विशुद्ध संस्कृति केवल बाद की बात है। सब कुछ में मिलावट है, सब कुछ अविशुद्ध है। शुद्ध है केवल मनुष्य की दुर्दम जिजीविषा (जीने की इच्छा)

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) मनुष्य की जीवनी शक्ति कैसी है?
(iv) मनुष्य की जीवनी-शक्ति किस प्रकार आगे बढ़ी है?
(v) 'जिजीविषा' का क्या तात्पर्य है।

अथवा हमारी सम्पूर्ण व्यवस्था का केन्द्र मानव होना चाहिए जो 'यत् पिण्डे तद् ब्रह्माण्डे' के न्याय के अनुसार समष्टि का जीवमान प्रतिनिधि एवं उसका उपकरण है। भौतिक उपकरण मानव के सुख के साधन हैं, साध्य नहीं। जिस व्यवस्था में भिन्न रूचिलोक का विचार केवल एक औसत मानव से अथवा शरीर-मन-बुद्धि-आत्मायुक्त अनेक एषणाओं से प्रेरित पुरुषार्थ चतुष्टयशील, पूर्ण मानव के स्थान पर एकांगी मानव का ही विचार किया जाये, वह अधूरी है। हमारा आधार एकात्म मानव है, जो अनेक एकात्म मानववाद के आधार पर हमें जीवन की सभी व्यवस्थाओं का विकास करना होगा।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) लेखक के अनुसार व्यवस्था का मुख्य केन्द्र कौन है?
(iv) 'यत् पिण्डे तद् ब्रह्माण्डे' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
(v) हम जीवन की सभी व्यवस्थाओं का विकास किस आधार पर करेंगे?

प्रश्न 4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2×5=10

व्यापक ब्रह्म सबै थल पूरन हैं हमहूँ पहचानती हैं।
पै बिना नँदलाल बिहाल सदा 'हरिश्चन्द्र' न ज्ञानहिं ठानती हैं।
तुम ऊधौ यहै कहियो उनसों हम और कछू नहिं जानती हैं।
प्रिय प्यारे तिहारे निहारे बिना अखियाँ दुखियाँ नहि मानती हैं।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और रचनाकार का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) कवि ने पद्यांश में ब्रह्म के किस स्वरूप को महत्ता दी है?
(iv) गोपियाँ उद्धव से क्या कहती हैं?
(v) प्रस्तुत पद्यांश में कौन-सा रस है?

अथवा यह लघुग्रह भूमि मण्डल, व्योम यह संकीर्ण,
चाहिए नर को नया कुछ और जग विस्तीर्ण।
यह मनुज ब्रह्माण्ड का सबसे सुरम्य प्रकाश,
कुछ छिपा सकते न जिससे भूमि या आकाश।
यह मनुज, जिसकी शिखा उद्दाम्,
कर रहे जिसको चराचर भक्ति युक्त प्रणाम्।
यह मनुज, जो सृष्टि का शृंगार,
ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) सृष्टि का शृंगार कौन है?
(iv) मनुष्य के लिए धरती और आकाश क्या हैं?
(v) कवि ने पद्यांश में किस भाव को स्पष्ट किया है?

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख (80 शब्दों में) कीजिए– 3+2=5

(i) वासुदेव शरण अग्रवाल
(ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी
(iii) पं०दीन दयाल उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक-परिचय देते हुए उनकी मुख्य रचनाओं का उल्लेख (80 शब्दों में) कीजिए– 3+2=5

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(ii) महादेवी वर्मा
(iii) सुमित्रानन्दन पंत

प्रश्न 6. कथानक के आधार पर 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी की समीक्षा (80 शब्दों में) कीजिए। 5

अथवा 'पंचलाइट' या 'कर्मनाशा की हार' कहानी के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डालिए।

प्रश्न 7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर (80 शब्दों में) दीजिए। 5

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक प्रमुख पात्र का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा 'मुक्ति यज्ञ' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अन्तिम सर्ग का कथानक लिखिए।

अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या' सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवण कुमार की चारित्रिक विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए।

(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर राज्यश्री का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(च) 'आलोक वृत्त' खण्डकाव्य के नायक की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा 'आलोक वृत्त' के अन्तिम सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड (ख)

प्रश्न 8. (क) निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2+5=7

याज्ञवल्क्य उवाच - न वा अरे मैत्रेयि। पत्युः कामाय पतिः प्रियोभवति। आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रिय भवति। न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति। न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति। आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति। न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति। तस्माद् आत्मा वा अरे मैत्रेयि। दृष्टैव्यः दर्शनार्थं श्रोत्तव्यः मन्तव्यः निदिध्यासितव्यश्च। आत्मनः खलु दर्शनेन इदं सर्वं विदितं भवति।

अथवा यदा अयं षोडशवर्षदेशीयः आसीत् तदास्य कनीयसी भगिनी विषूचिकया पञ्चत्वं गता। वर्षत्रयानन्तरमस्य पितृव्योऽपि दिवंगतः। द्वयोरनयोः मृत्युं दृष्ट्वा आसीदस्यमनसि-कथमहं कथंवायं लोकः मृत्युभयात् मुक्तः स्यादिति चिन्तयतः एवास्य हृदि सहसैव वैराग्य प्रदीपः प्रज्वलितः। एकस्मिन् दिवसे अस्तंगते भगवति भास्वति मूलशङ्करः गृहमत्यजत्।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2+5=7

प्रस्तरेषु च रम्येषु विविधाः काननद्रुमाः।
वायुवेग प्रचलिताः पुष्पैरवकिरन्ति गाम्।।

अथवा विरलविरलाः स्थलास्तारः कलाविसज्जनाः।
मन इव मुनेः सर्वत्रैव प्रसन्नमभून्नभः।
अपसरति च ध्वान्त चित्तात्सतामिव दुर्जनः
व्रजति च निशा क्षिप्र लक्ष्मी स्नुधीमनामिव।।

प्रश्न 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए- 2+2=4

(i) संस्कृत भाषायाः मुख्याः कवयः के सन्ति?
(ii) पुण्डरीः कदा विकसति?
(iii) मूलशंङ्करस्य जन्म कुत्र अभवत्?
(iv) सर्वधन प्रधानं किम् धनमस्ति?

प्रश्न 10. (क) 'रौद्र' अथवा शान्त रस का स्थायी भाव के साथ परिभाषा या उदाहरण दीजिए। 1+1=2

(ख) 'यमक' अथवा 'भ्रान्तिमान अलंकार की परिभाषा या उदाहरण दीजिए। 2

(ग) 'दोहा' अथवा 'उपेन्द्रवज्रा' छन्द की मात्राओं के साथ उदाहरण या परिभाषा दीजिए 1+1=2

प्रश्न 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए - 2+7=9

(i) साहित्य और समाज
(ii) बढ़ती जनसंख्या का कुप्रभाव
(iii) प्रीतिकर काहू सुख न लहयो।
(iv) वृक्षारोपण का महत्त्व
(v) नारी शिक्षा का महत्व

प्रश्न 12. (क) सन्धि विच्छेद-

(अ) 'सूर्योदयः' का सन्धि-विच्छेद है- 1

(i) सूर्य + उदयः (ii) सूर्यो + दयः
(iii) सूर + ओदयः (iv) सूर + उदयः

(ब) 'सज्जन' का सन्धि-विच्छेद है- 1

(i) सज् + जनः (ii) सत् + जनः
(iii) स + ज्जनः (iv) सज्ज + नः

(स) 'स्वागतम्' का सन्धि-विच्छेद है- 1

(i) स्वा + गतम् (ii) सु + आगतम्
(iii) स्वा + आगतम् (iv) स्वागत + अम्

(ख) समास कीजिए-

(अ) 'यथाशक्ति' में समास है- 1

(i) तत्पुरुष समास (ii) अव्ययीभाव समास
(iii) कर्मधारय समास (iv) बहुब्रीहि समास

(ब) 'धनश्याम' में समास है- 1

(i) कर्मधारय समास (ii) बहुव्रीहि समास
(iii) अव्ययीभाव समास (iv) द्विगु समास

प्रश्न 13. (क) 'नयतम्' अथवा 'पठताम्' किस धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का रूप है ½+½+½+½=2

(ख) शब्द रूप कीजिए-

(अ) 'राज्ञे' रूप है, 'राजा' शब्द का- 1

(i) सप्तमी विभक्ति, एकवचन
(ii) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
(iii) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन
(iv) पचंमी विभक्ति, एकवचन

(ब) 'येषाम्' रूप है, 'यत् (पुल्लिंग)' शब्द का– 1
(i) षष्ठी विभक्ति, एकवचन
(ii) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन
(iii) सप्तमी विभक्ति, एकवचन
(iv) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

(ग) प्रत्यय कीजिए–

(अ) 'पठितुम्' मे प्रत्यय है– 1
(i) तव्यत (ii) अनीयर्
(iii) तुमुन् (iv) तल्

(ब) 'गृहीत्वा' मे प्रत्यय है– 1
(i) क्त (ii) क्त्वा (iii) तव्यत् (iv) तुमुन्

(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए– 1+1=2
(i) विद्यालयं परितः वृक्षाः सन्ति।
(ii) छात्रेषु रामः श्रेष्ठः।
(iii) सः पादेन खञ्जः अस्ति।

प्रश्न 14. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– 2+2=4
(i) तुम्हें पढ़ना चाहिए।
(ii) वे दोनों जा रहे हैं।
(iii) हम सभी कल काशी जाएँगें।
(iv) राधा एक मेधावी छात्रा है।

न्यू-पैटर्न पर आधारित

मॉडल प्रश्न-पत्र 4

समय : 3 घण्टे 15 मिनट

साहित्यिक हिन्दी (कक्षा-12) (केवल प्रश्न-पत्र)

पूर्णांक : 100

निर्देश: पूर्ववत्

खण्ड (क)

प्रश्न 1. (क) 'कलम का सिपाही' जीवनी के लेखक हैं– 1
(i) शान्ति जोशी (ii) अमृत राय
(iii) राम विलास शर्मा (iv) यशपाल

(ख) 'हंस' पत्रिका के सम्पादक हैं– 1
(i) सूर्य कान्त त्रिपाठी निराला
(ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(iii) मुंशी प्रेमचन्द
(iv) जयशंकर प्रसाद

(ग) 'गोरा बादल की कथा' के लेखक हैं– 1
(i) भूषण
(ii) मुं० इंशा अल्ला खाँ
(iii) किशोरी लाल गोस्वामी
(iv) जटमल

(घ) कौन-सी रचना रामवृक्ष बेनीपुरी की नही है– 1
(i) पतितों के देश में (ii) माटी की मूरतें
(iii) गेहूँ बनाम गुलाब (iv) पृथिवी पुत्र

(ङ) 'साहित्य का श्रेय' और 'प्रेय' निबन्ध-संग्रह हैं – 1
(i) डॉ० सम्पूर्णानन्द के (ii) जैनेन्द्र कुमार के
(iii) वासुदेव शरण अग्रवाल के
(iv) श्यामसुन्दर दास के

प्रश्न 2. (क) 'प्रगतिशील लेखक संघ' की स्थापना हुई– 1
(i) सन् 1932 ई० में (ii) सन् 1936 ई० में
(iii) सन् 1942 ई० में (iv) सन् 1943 ई० में

(ख) 'द्विवेदी युग' की रचना है– 1
(i) गुंजन (ii) गीतिका
(iii) प्रिय प्रवास (iv) ग्राम्या

(ग) अष्टछाप के कवि नहीं हैं– 1
(i) नन्ददास (ii) सूरदास
(iii) परमानन्द दास (iv) भिखारी दास

(घ) निम्नलिखित में से प्रयोगवादी कवि हैं– 1
(i) भूषण (ii) बिहारी
(iii) सुमित्रानन्दन पन्त
(iv) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(ङ) 'कला और बूढा चाँद' के रचनाकार हैं– 1
(i) जयशंकर प्रसाद (ii) गिरिजा कुमार माथुर
(iii) सुमित्रानन्दन पन्त (iv) महादेवी वर्मा

प्रश्न 3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2×5=10

जन्म लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति के भरण-पोषण की, उसके शिक्षण की जिससे वह समाज के एक जिम्मेदार घटक के नाते अपना योगदान करते हुए अपने विकास में समर्थ हो सके, उसके लिए स्वस्थ एवं क्षमता की अवस्था में जीविकोपार्जन की, और यदि किसी भी कारण वह सम्भव न हो तो भरण-पोषण की तथा उचित अवकाश की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी समाज की है। प्रत्येक सभ्य समाज इसका किसी-न-किसी रूप में निर्वाह करता है। प्रगति के यही मुख्य मानदण्ड हैं। अतः न्यूनतम जीवन-स्तर की गारण्टी, शिक्षा, जीविकोपार्जन के लिए रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और कल्याण को हमें मूलभूत अधिकार के रूप में स्वीकार करना होगा।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) व्यक्ति के भरण-पोषण की जिम्मेदारी समाज की होने का क्या कारण है?
(iv) प्रगति के मुख्य मानदण्ड क्या हैं?
(v) 'घटक' तथा 'मानदण्ड' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

अथवा मैं यह नहीं मानता कि समृद्धि और अध्यात्म एक-दूसरे के विरोधी हैं या भौतिक वस्तुओं की इच्छा रखना कोई गलत सोच है। उदाहरण के तौर पर, मैं खुद न्यूनतम वस्तुओं का भाग करते हुए जीवन बिता रहा हूँ लेकिन मैं सर्वत्र समृद्धि की कद्र करता हूँ, क्योंकि समृद्धि अपने साथ सुरक्षा तथा विश्वास लाती है, जो अंततः हमारी आजादी को बनाए रखने में सहायक हैं। आप अपने आस-पास देखेंगे तो पाएँगे कि खुद प्रकृति भी कोई काम आधे-अधूरे मन से नहीं करती। किसी बगीचे में जाइए। मौसम में आपको फूलों की बहार देखने को मिलेगी। अथवा ऊपर की तरफ ही देखें, यह ब्रह्माण्ड आपके अनंत तक फैला दिखाई देगा, आपके यकीन से भी परे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) लेखक किनको एक-दूसरे का विरोधी नहीं मानता?
(iv) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने छात्रों को क्या संदेश दिया है?
(v) लेखक ने समृद्धि और अध्यात्म को आपस में विरोधी क्यों नहीं माना है?

प्रश्न 4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2×5=10

झूम-झूम मृदु गरज-गरज घन घोर!
राग-अमर! अम्बर में भर निज रोर!
झर झर झर निर्झर-गिरि-सर में,
घर, मरु तरु-मर्मर, सागर में,
सरित-तड़ित-गति-चकित पवन में
मन में, विजन-गहन कानन में,
आनन-आनन में, रव घोर कठोर-
राग-अमर! अम्बर में भर निज रोर!

(i) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) 'झर झर झर निर्झर-गिरि-सर में।' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
(iv) 'अमर-राग' का क्या आशय है?
(v) 'रव घोर कठोर' किसके लिए कहा गया है?

अथवा सुख भोग खोजने आते सब,
आये तुम करने सत्य-खोज,
जग की मिट्टी के पुतले जन,
तुम आत्मा के, मन के मनोज।
जड़ता, हिंसा, स्पर्धा में भर
चेतना, अहिंसा, नम्र ओज,
पशुता का पंकज बना दिया
तुमने मानवता का सरोज।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) संसार में सत्य की खोज करने कौन आया है?
(iv) प्रस्तुत पंक्तियों में कवि किसके व्यक्तित्व का चित्रण करते हैं?
(v) महात्मा गाँधी ने चेतना, अंहिसा, का नम्र ओज कहाँ भर दिया है?

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख (80 शब्दो में) कीजिए– 3+2=5

(i) प० दीनदयाल उपाध्याय
(ii) डॉ० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
(iii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख (80 शब्दो में) कीजिए– 3+2=5

(i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(ii) महादेवी वर्मा
(iii) सूर्य कान्त त्रिपाठी 'निराला'

प्रश्न 6. कहानी कला के आधार पर 'पंचलाइट' अथवा 'कर्मनाशा की हार' कहानी की समीक्षा (80 शब्दों में) कीजिए। 5

अथवा 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्रश्न 7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित खण्डों में से किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर (80 शब्दों में) दीजिए। 5

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर स्वतंत्रता संग्राम का विवरण प्रस्तुत कीजिए।
अथवा 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(ख) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
अथवा 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'राजा दशरथ' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथासार लिखिए।
अथवा 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अन्तिम सर्ग की कथावस्तु लिखिए।
अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कुन्ती' का चरित्र -चित्रण कीजिए।

(ङ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग का सरांश लिखिए।

अथवा 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(च) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

खण्ड (ख)

प्रश्न 8. (क) निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए। 2+5=7

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं व्याकरणञ्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं, श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते। किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशी किञ्चिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीय गुणानां यादृशी विवेचना संस्कृत-साहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी। दया, दानं, शौचम्, औदार्यम्, अनुसूया, क्षमा, अन्ये चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलेन सञ्जायन्ते।

अथवा महामना विद्वान वक्त धार्मिको नेता, पटुः पत्रकारश्चासीत्। परमस्य सर्वोच्च गुणः जनसेवैव आसीत्। यत्र कुत्रापि अयं जनान् दुःखितान् पीड्यामानांश्चापश्चत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः सर्व विधं साहाय्यञ्च अकरोत्। प्राणिसेवा अस्य स्वभाव एकसीत्।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए। 2+5=7

सुखानिलोऽयं सौमित्रे कालः प्रचुरमन्मथः।
गन्धवान सुरभिर्मासो जातपुष्प फल द्रुमः।।

अथवा प्राप्तः किलाद्य वचनादिह पाण्डवानां
दौत्येन भृत्य इव कृष्णमतिः स कृष्णः।
श्रोतुं सखे त्वमपि सज्जय कर्ण कर्णौ
नारीमृदूनि वचनानि युधिष्ठिरस्य।।

प्रश्न 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए– 2+2=4

(i) मदन मोहन मालवीयस्य जन्म कुत्र अभवत्।
(ii) विद्याप्राप्तार्थ विद्यार्थी किं त्यजेत्?
(iii) दुर्योधनः कः आसीत्?
(iv) वर्षाकाले पर्वतशिखराणि केः तुलितानि?

प्रश्न 10. (क) 'वीर' अथवा 'करुण' रस की परिभाषा अथवा उदाहरण स्थायी भाव सहित दीजिए। 1+1=2

(ख) 'रूपक' अथवा 'अनन्वय' अलंकार की परिभाषा या उदाहरण दीजिए। 2

(ग) 'दोहा' अथवा 'इन्द्रवज्रा' छन्द की मात्राओं के साथ उदाहरण या परिभाषा दीजिए 1+1=2

प्रश्न 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए – 2+7=9

(i) बेरोजगारी की समस्या
(ii) मेरा प्रिय कवि
(iii) व्यावसायिक कृषि का प्रसारः किसान का आधार
(iv) राष्ट्रीय एकता
(v) दहेज प्रथाः एक समाजिक अभिशाप

प्रश्न 12. (क) सन्धि विच्छेद–

(अ) 'मोऽनुस्वार' का सन्धि-विच्छेद है– 1

(i) विद्वान + लिखति (ii) ककुभ + प्रान्तः
(iii) चक्रिन् + ढौकसे (iv) गृहम् + गच्छति

(ब) 'रविन्द्रः' का सन्धि-विच्छेद है– 1

(i) रवी + इन्द्रः (ii) रवि + ईन्द्रः
(iii) रवि + इन्द्रः (iv) रवी + न्द्रः

(स) 'देवेशः' का सन्धि-विच्छेद है– 1

(i) देवे + ईशः (ii) देव + ईशः
(ii) दे + वेशः (iv) देव + इशः।

(ख) समास कीजिए–

(अ) 'गौशाला' में समास है– 1

(i) तत्पुरुष समास (ii) कर्मधारय समास
(iii) द्विगु समास (iv) बहुब्रीहि समास

(ब) 'गदाहस्तः' में समास है– 1

(i) द्विगु समास (ii) तत्पुरुष समास
(iii) बहुव्रीहि समास (iv) कर्मधारय समास

प्रश्न 13. (क) 'पिबाम' अथवा 'स्यु' रूप किस धातु तथा वचन का पुरुष है। ½+½+½+½=2

(ख) शब्द रूप कीजिए–

(अ) 'सर्वस्मात्' रूप है, 'सर्व' पुल्लिंग का– 1

(i) पंचमी विभक्ति, एकवचन
(ii) सप्तमी विभक्ति, एकवचन
(iii) तृतीया विभक्ति, बहुवचन
(iv) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(ब) 'आत्मसु' रूप है, 'आत्मन' शब्द का– 1

(i) द्वितीया विभक्ति, एकवचन
(ii) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन
(iii) तृतीया विभक्ति, बहुवचन
(iv) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(ग) प्रत्यय कीजिए–

(अ) 'गन्तव्यम्' शब्द में प्रत्यय है– 1

(i) तव्यत् (ii) अनीयर्
(iii) क्त्वा (iv) मतुप

(ब) 'ज्ञानवान' शब्द में प्रत्यय है– 1

(i) तव्यत् (ii) अनीयर्
(iii) वतुप् (iv) मतुप्

(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए– 1+1=2

(i) रमेंशः पादेन खञ्जः।

(ii) राधा नगरं प्रति गच्छति।

(iii) सूर्याय स्वाहा।

प्रश्न 14. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– 2+2=4

(i) वह विद्यालय जाता है।

(ii) पंचशील शिष्टाचार विषयक सिद्धान्त है।

(iii) पेड़ पर पक्षी बैठे हैं।

(iv) संसार के सभी लोग सुख चाहते हैं।

न्यू-पैटर्न पर आधारित

मॉडल प्रश्न-पत्र 5

समय : 3 घण्टे 15 मिनट

साहित्यिक हिन्दी (कक्षा-12) (केवल प्रश्न-पत्र)

पूर्णांक : 100

निर्देश: पूर्ववत्

खण्ड (क)

प्रश्न 1. (क) 'गेहूँ बनाम गुलाब' के लेखक हैं– 1

(i) वासुदेव शरण अग्रवाल (ii) हरिशंकर परसाई

(iii) रामवृक्ष बेनीपुरी (iv) मोहन राकेश

(ख) सदल मिश्र की रचना है– 1

(i) हठी हम्मीर (ii) भारत दुर्दशा

(iii) सुख सागर (iv) नासिकेतोपाख्यान

(ग) 'परीक्षा गुरु' के रचनाकार हैं– 1

(i) श्रीनिवास दास (ii) मनोहर श्याम जोशी

(iii) राजेन्द्र यादव (iv) श्रीलाल शुक्ल

(घ) 'राग दरबारी' किस विधा की रचना है? 1

(i) नाटक (ii) उपन्यास

(iii) रेखाचित्र (iv) निबन्ध

(ङ) 'आखिरी चट्टान' की रचना विधा है – 1

(i) यात्रावृत्त (ii) निबन्ध

(iii) रेखाचित्र (iv) संस्मरण

प्रश्न 2. (क) 'तारसप्तक' के सम्पादक हैं– 1

(i) निराला (ii) महादेवी वर्मा

(iii) अज्ञेय (iv) जयशंकर प्रसाद

(ख) रीतिकाल के किस कवि ने वीर रस की रचनाएँ लिखी? 1

(i) घनानन्द (ii) कविभूषण

(iii) कवि बिहारी (iv) केशवदास

(ग) कवि जायसी का पद्मावत किस भाषा में लिखा गया है? 1

(i) अवधी (ii) ब्रजभाषा

(iii) खड़ी बोली (iv) फारसी

(घ) 'कठिन काव्य के प्रेत' कहे जाते हैं– 1

(i) कविभूषण (ii) घनानन्द

(iii) केशव दास (iv) जायसी

(ङ) शोक गीत है– 1

(i) राम की शक्ति पूजा (ii) मौन निमन्त्रण

(iii) सरोज समृति (iv) अँधेरे में

प्रश्न 3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2×5=10

मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग हैं। पृथ्वी हो और मनुष्य न हों, तो राष्ट्र की कल्पना भी असंभव है। पृथ्वी और जन दोनों के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप संम्पादित होता है। जन के कारण ही पृथ्वी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है। पृथ्वी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथ्वी का पुत्र है–

माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथित्वाः।

भूमि माता है, मैं उसका पुत्र हूँ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) राष्ट्र का स्वरूप कैसे सम्पादित होता है?

(iv) लेखक ने राष्ट्र के स्वरूप का दूसरा अंग किसे कहा है?

(v) जन के कारण पृथ्वी किसकी संज्ञा को प्राप्त करती है?

अथवा जो कुछ भी हम इस संसार में देखते हैं वह ऊर्जा का ही स्वरूप है। जैसा कि महर्षि अरविन्द ने कहा है कि हम भी ऊर्जा के ही अंश हैं इसलिए जब हमने यह जान लिया है कि आत्मा और पदार्थ दोनों ही अस्तित्व का हिस्सा हैं, वे एक-दूसरे से पूरा तादात्म्य रखे हुए हैं तो हमें यह एहसास भी होगा कि भौतिक पदार्थों की इच्छा रखना किसी भी दृष्टिकोण से शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) महर्षि अरविन्द ने क्या कहा है?

(iv) उपर्युक्त गद्यांश किस सम्पादित पुस्तक का अंश है?

(v) अस्तित्व का हिस्सा क्या है?

प्रश्न 4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2×5=10

ज्यों-ज्यों लगती है नाव पार,
उर में आलोकित शत विचार।
इस धारा-सा ही जग का क्रम, शाश्वत इस जीवन का उद्गम,
शाश्वत है गति, शाश्वत संगम!
शाश्वत नभ का नीला विकास, शाश्वत शशि का यह रजत हास,
शाश्वत लघु लहरों का विलास!
हे जग-जीवन के कर्णधार! चिर जन्म-मरण के आर-पार,
शाश्वत जीवन नौका विहार!
मैं भूल गया अस्तित्व ज्ञान, जीवन का यह शाश्वत प्रमाण,
करता मुझको अमरत्व दान!

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) कवि नौका-विहार के समय संसार के क्रम के बारे में क्या सोचते हैं?
(iv) जीवन की गति और मिलन किसके समान शाश्वत बताया गया है?
(v) नौका-विहार के समय जीवन और मृत्यु के सन्दर्भ में क्या विचार आता है?

अथवा कह न ठंडी साँस में अब भूल वह जलती कहानी,
आग हो उर में तभी दृग में सजेगा आज पानी,
हार भी तेरी बनेगी मानिनी जय की पताका,
राख क्षणिक पतंग की है अमर दीपक की निशानी!
है तुझे अंगार-शय्या पर मृदुल कलियाँ बिछाना!
जाग तुझको दूर जाना!

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवयित्री का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) कवयित्री ने किसका आह्वान किया है?
(iv) हृदय में आग होने पर नेत्रों में क्या सजेगा?
(v) दीपक की निशानी क्या प्रकट करती है?

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय एवं महत्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख(80 शब्दो में) कीजिए। **3+2=5**
(i) वासुदेव शरण अग्रवाल
(ii) डॉ० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
(iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक- परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख (80 शब्दो में) कीजिए- **3+2=5**
(i) अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध
(ii) जय शंकर प्रसाद
(iii) सुमित्रानन्दन पन्त

प्रश्न 6. कहानी कला की दृष्टि से 'बहादुर' अथवा 'कर्मनाशा की हार' कहानी की समीक्षा (80 शब्दों में) कीजिए। **5**

अथवा 'बहादुर' अथवा 'पंचलाइट' कहानी के प्रमुख पात्र का चारित्र चित्रण लिखिए।

प्रश्न 7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के प्रश्न का उत्तर (80 शब्दों में) दीजिए। **5**

(क) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।
अथवा 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवण कुमार का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथानक लिखिए।
अथवा 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'महात्मा गाँधी' के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।
अथवा 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए।
अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्रांकन कीजिए।

(ङ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।
अथवा 'आलोकवृत' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

(च) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।

खण्ड (ख)

प्रश्न 8. (क) निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए। **2+5=7**

बौद्धयुगे इमें सिद्धान्ता: वैयक्तिक जीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुकता आसन्। परमय इमें सिद्धान्ता: राष्ट्राणां परस्पमैत्री सहयोग करणानि, विश्व बन्धुत्वस्य विश्व शान्तेश्च साधनानि सन्ति। राष्ट्रनायकस्य श्री जवाहर लाल नेहरू महोदयस्य प्रधानमन्त्रित्व काले चीन देशेन सह भारतस्य मैत्री पञ्चशील सिद्धान्तानाधिकृत्य एवाभवत्।

अथवा याज्ञवल्क्य उवाच- न वा अरे मैत्रेयि! पत्यु : कामाय पति: प्रियो भवति। आत्मनस्तु वै कामाय पति: प्रियो भवति। न वा अरे, जायाजा: कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मानस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति। न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रों वित्त वा प्रियां भवति। आत्मानस्तु वै कामाय पुत्रों वितं वा प्रियं भवति। न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्व प्रियं भवति, आत्मानस्तु वै कामाय सर्व प्रियं भवति।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए। **2+5=7**

सहसा विद्धीत न क्रियामविवेक: परमापदां पदम्।
वृणुते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धा: स्वयमेव सम्पद:।।

अथवा अभूत् प्राची पिङ्गा रसपतिरिव प्राप्य कनकं।
गतच्छायश्चन्द्रो बुधजन इव ग्राम्यसदसि।।
क्षणं क्षीणास्तारा नृपतय इवानुद्यम परा:।
न दीपा राजन्ते द्रविणरहितानामिव गुणा:।।

प्रश्न 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए- **2+2=4**
(i) द्वारपाल: भोजं किम् अकथयत्?
(ii) बसन्त काले वृक्षा: कीदृशा: भवन्ति?
(iii) भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा च भाषा का अस्ति?
(iv) धीमता काल: कथं गच्छति?

प्रश्न 10. (क) 'वीर' अथवा 'अद्भुत' रस का स्थाई भाव सहित उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए। **1+1=2**

(ख) 'यमक' अथवा 'सन्देह' अलंकार की परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए। **2**

(ग) 'दोहा' अथवा 'मत्तगयन्द सवैया' छन्द का मात्रा सहित उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए 1+1=2

प्रश्न 11. निम्नलिखित शीर्षकों में से किसी एक शीर्षक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए – 2+7=9

(i) पर्यावरण प्रदूषण
(ii) स्वदेश प्रेम
(iii) जीवन में श्रम का महत्त्व
(iv) आदर्श शिक्षक के गुण

प्रश्न 12. (क) सन्धि विच्छेद–

(अ) 'तोर्लि' का सन्धि-विच्छेद है– 1

(i) तत् + टीका (ii) भगवत् + शयनम्
(iii) उत् + लेख (iv) महत् + अरण्यम्

(ब) 'नायकः' का सन्धि-विच्छेद है– 1

(i) नै + अकः (ii) नाय + कः
(iii) न + आयकः (iv) ने + अकः

(स) 'पररूप' का सन्धि-विच्छेद है– 1

(i) प्रमा + अत्र (ii) प्र + एजते
(iii) देव + आलयः (iv) प्रति + उदारः

(ख) समास कीजिए–

(अ) 'सर्द्धम' में समास है– 1

(i) तत्पुरुष समास (ii) बहुब्रीहि समास
(iii) कर्मधारय समास (iv) अव्ययीभाव समास

(ब) 'व्रजपाणि' में समास है– 1

(i) तत्पुरुष समास (ii) द्वन्द्व समास
(iii) कर्मधारय समास (iv) बहुब्रीहि समास

प्रश्न 13. (क) 'दास्यति' अथवा 'कुर्यात्' किस धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का रूप है ½+½+½+½=2

(ख) शब्द रूप कीजिए–

(अ) 'सर्व' (स्त्रीलिंग) शब्द के चतुर्थी एकवचन का रूप होगा– 1

(i) सर्वस्यै (ii) सर्वस्मै
(iii) सर्वस्मिन (iv) सर्वेण

(ब) 'राज्ञे' रूप है, 'राजन' (पुल्लिंग)का– 1

(i) सप्तमी विभक्ति, एकवचन
(ii) तृतीया विभक्ति, एकवचन
(iii) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
(iv) पञ्चमी विभक्ति, एकवचन

(ग) प्रत्यय कीजिए–

(अ) 'नीतम्' शब्द मे प्रत्यय है– 1

(i) क्त प्रत्यय (ii) क्त्वा प्रत्यय
(iii) अनीयर् प्रत्यय (iv) तुमुन प्रत्यय

(ब) 'पठितव्यम्' शब्द में प्रत्यय है– 1

(i) अनीयर् प्रत्यय (ii) तव्यत् प्रत्यय
(iii) क्त्वा प्रत्यय (iv) क्त प्रत्यय

(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में विभक्ति और वचन पहचान कर लिखिए– 1+1=2

(i) रामायः नमः।
(ii) तड़ाग परितः वृक्षाः सन्ति।
(iii) लक्ष्मणः रामेण सह वनम् अगच्छत्।

प्रश्न 14. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– 2+2=4

(i) विद्या सभी धनों में श्रेष्ठ है।
(ii) बालक पढ़तें है।
(iii) श्रीकृष्ण ने सुदर्शन से शिशुपाल को मारा।
(iv) मोहन गा रहा है।